भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 302
बुधवार, 24 जुलाई, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

विस्तारित योजना 'पृथ्वी विज्ञान'

†302. डॉ. भोला सिंह:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने 2021-26 की अवधि के दौरान कार्यान्वयन के लिए विस्तारित योजना "पृथ्वी विज्ञान (पृथ्वी)" को स्वीकृति प्रदान की है;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या उक्त योजनाओं में एक्रोस, ओ-स्मार्ट, पेसर, सेज और रीचआउट नामक चल रही पांच उप-योजनाएं शामिल हैं; और
(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा तथा इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क-घ) जी हां। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 जनवरी 2024 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की व्यापक योजना "पृथ्वी विज्ञान (पृथ्वी)" को 2021-26 की अवधि के दौरान 4797 करोड़ रुपये की कुल लागत से कार्यान्वयन के लिए मंजूरी दी।

पृथ्वी योजना के अंतर्गत पांच सतत उप-योजनाएं शामिल हैं,नामतः :-

(i) वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान-मॉडलिंग प्रेक्षण प्रणाली और सेवाएं (अक्रॉस)।
(ii) महासागर सेवाएं, मॉडलिंग अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओ-स्मार्ट)।
(iii) ध्रुवीय विज्ञान और हिमांक मंडल अनुसंधान (पेसर)।
(iv) भूकंप विज्ञान और भूविज्ञान (सेज)।
(v) अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और आउटरीच (रीचआउट)।

पृथ्वी की व्यापक योजना पृथ्वी प्रणाली के सभी पांच घटकों अर्थात वायुमंडल, जलमंडल, भूमंडल, हिमांक मंडल और जीवमंडल को समग्र रूप से संबोधित करती है ताकि पृथ्वी प्रणाली विज्ञान की समझ बेहतर हो और देश के लिए विश्वसनीय सेवाएं प्रदान की जा सकें। पृथ्वी योजना के तहत विभिन्न अनुसंधान एवं विकास और प्रचालन (सेवाएं) गतिविधियां पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत संबंधित संस्थानों के संयुक्त प्रयासों के माध्यम से एकीकृत तरीके से की जाती हैं।

*****